राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 17 जनवरी 2026
वर्ष 14, अंक 274, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

चोरी की शिकायत पर भैंस व्यापारी को थर्ड डिग्री, प्रशासन मौन!..03

ग्राम पंचायत करकटी में भ्रष्टाचार जम कर..04

राजस्थानः बीएलओ ने 'मुस्लिम वोटर्स के नाम हटाने' के दबाव का हवाला देते हुए आत्महत्या की धमकी दी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- राजस्थान में एक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ने आत्महत्या करने की धमकी दी है. उन्होंने कथित तौर पर मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत उन सीटों, जहां बीते चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मामूली अंतर से जीत हासिल की थी, पर मुस्लिम वोटर्स को हटाने के दबाव का हवाला दिया है. जयपुर के हवामहल विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ कीर्ति कुमार का कहना है कि उन्हें धमकियां दी जा रही हैं और भाजपा द्वारा उठाई गई उन आपत्तियों पर कार्रवाई करने के लिए अत्यधिक दबाव डाला जा रहा है, जिनमें एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से 470 मतदाताओं (उनके बूथ के लगभग 40 प्रतिशत) को हटाने की मांग की गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की ये आपत्तियां मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बनाती हैं और उन्होंने पहले ही इन सभी मतदाताओं का सत्यापन कर लिया है. रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान में कम से कम तीन बीएलओ की मौत हो चुकी है. ये मौतें काम के दबाव और एसआईआर के संचालन में गड़बड़ी से लेकर ऐप की खामियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण तक के आरोपों के बीच हुई हैं. ताज़ा मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो से जुड़ा है, जिसमें बीएलओ कीर्ती कुमार को कथित रूप से फोन पर यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'मैं कलेक्टर कार्यालय जाऊंगा और वहीं आत्महत्या कर लूंगा।'

एसआईआर प्रक्रिया से छात्र प्रभावित

इस मामले को लेकर सरकारी स्कूल में शिक्षक कुमार ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया से उनके छात्र प्रभावित हुए हैं और अब उन पर 470 फॉर्म 'दो दिनों के भीतर' प्रोसेस करने का दबाव है. उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया में 78 घंटे लगेंगे और यह 'पूरी प्रक्रिया को दोबारा दोहराने जैसा' है. 'मुझे इन मतदाताओं का सत्यापन करने के लिए दोबारा फील्ड में जाना पड़ेगा. यह पूरी प्रक्रिया को दोबारा दोहराने जैसा है. मैं यह नहीं कर सकता. एसआईआर में हमारा खून पहले ही जल गया है... भाजपा नेता हमें निलंबित करवाने की धमकी दे रहे हैं. मैं उनकी राजनीति को अच्छी तरह जानता हूं. मैंने अपने वरिष्ठों को सूचित कर दिया है कि मैं यह नहीं कर सकता.' इस बीच, आस-पास के कम से कम पांच बूथ, जहां अधिकांश मतदाता हिंदू हैं, के बीएलओ ने बताया कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं मिली है. इलाके के एक अन्य बूथ के बीएलओ सरस्वती मीणा ने बताया कि उनके यहां 158 मतदाताओं के खिलाफ आपत्तियां दर्ज की गई हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के एजेंट्स ने ही सभी आपत्तियां उठाई हैं और उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बनाया है. मीणा ने कहा कि मतदाता इसी इलाके में रहते हैं और एसआईआर के तहत उनका सत्यापन पहले ही हो चुका है. उन्होंने कहा, 'हमने एसआईआर में उनका सत्यापन कर लिया है. यह गलत है. हम पर इस तरह दबाव नहीं डाला जा सकता।'

कांग्रेस ने भाजपा की तीखी आलोचना की

इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने भाजपा की तीखी आलोचना की है. राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कई जगहों पर जब प्रशासनिक अधिकारियों और बीएलओ ने लोकतंत्र पर इस हमले में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया तो सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों ने उन्हें ट्रांसफर की धमकी दी. उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस गुस्ताखी भरे काम से लोगों और लोकतंत्र का अपमान किया है. गहलोत ने आगे ये भी कहा कि राजस्थान में लोकतंत्र के लिए ये एक काले अध्याय जैसा है जिसने भाजपा को बेनकाब कर दिया है. सत्ता के मद में चूर भाजपा सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक है. उन्होंने अधिकारियों को भी स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी भाजपा के दबाव में संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं, समय बदलते देर नहीं लगती. सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन अगर आपने नियम विरुद्ध कार्य किया, तो कानून के दायरे में आपकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी. संवैधानिक मर्यादा का पालन करें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें. गौरतलब है कि राजस्थान की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 16 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित हुई थी. इसमें 5.46 करोड़ वोटरों में से लगभग 42 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं. इससे जुड़े दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए एक महीने का समय दिया गया था, जिसकी आखिरी तारीख 15 जनवरी थी. एसआईआर के तहत अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

दुनिया को बेचने वाला देश भारत से खरीद रहा सामान, अमेरिका से नुकसान की हो रही भरपाई, मोदी सरकार ने बदल दिया मंजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाकर निर्यात को नुकसान पहुंचाने की कोशिश तो की, लेकिन मोदी सरकार ने जल्द ही इसका हल भी निकाल लिया और अपना सामान ऐसे देश को बेचना शुरू कर दिया जो खुद पूरी दुनिया को सामान बेच रहा है. वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी ट्रेड आंकड़ों को देखकर साफ पता चलता है कि भारत ने अमेरिका को हुए निर्यात के नुकसान की भरपाई चीन से कर ली है. आईये इस पूरे गणित को आसान शब्दों में समझते हैं।

सबसे पहले बात करते हैं चीन के साथ कारोबार की. वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और समुद्री उत्पादों जैसी विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में उछाल से पिछले साल दिसंबर में चीन को होने वाला भारतीय निर्यात 67.35 फीसदी बढ़कर 2.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया है. निर्यात में यह तेजी मुख्य रूप से तेल खली, समुद्री उत्पाद, दूरसंचार उपकरण और मसालों जैसे उत्पादों के कारण रही।

कितना रहा कुल कारोबार

आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में चीन से आयात भी 20 फीसदी बढ़कर 11.7 अरब डॉलर पहुंच गया है. इस तरह देखा जाए तो चालू वित्तवर्ष में अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान चीन को होने वाला निर्यात 36.7 फीसदी बढ़कर 14.24 अरब डॉलर रहा, जबकि पहले नौ महीनों के दौरान आयात 13.46 फीसदी बढ़कर 95.95 अरब डॉलर हो गया. यानी पहले 9 महीने में ही देश का व्?यापार घाटा 81.71 अरब डॉलर रहा. वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इन आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'यह एक स्वागत योग्य वृद्धि है।'

किन चीजों को हमसे खरीद रहा चीन

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में वृद्धि दर्ज करने वाली मुख्य वस्तुओं में 'पॉपुलेटेड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड' (पीसीबी), 'फ्लैट पैनल डिस्प्ले मॉड्यूल' और टेलीफोनी के लिए अन्य विद्युत उपकरण शामिल रहे.. भारत से निर्यात किए जाने वाले प्रमुख कृषि और समुद्री उत्पादों में सूखी मिर्च, ब्लैक टाइगर झींगा, मूंग, वनमेई झींगा और तेल खल अवशेष शामिल हैं. इसी तरह, एल्युमीनियम और परिष्कृत तांबा सिल्लियों ने भी निर्यात वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया. उल्लेखनीय है कि अमेरिका के बाद चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. यह अलग बात है कि अभी तक हम चीन से सिर्फ खरीद रहे थे, अब उसे बेचना शुरू किया है।

अमेरिका को कितना रहा निर्यात

टैरिफ बढ़ने की वजह से भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में दिसंबर के दौरान 1.83 फीसदी घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया. अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी तक शुल्क लगाए जाने के बाद पिछले वर्ष सितंबर और अक्टूबर में भी निर्यात घटा था. हालांकि, नवंबर महीने में इसमें 22.61 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी. दिसंबर में अमेरिका से आयात 7.57 फीसदी बढ़कर 4.03 अरब डॉलर हो गया. चालू वित्तवर्ष में अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान देश का अमेरिका को निर्यात 9.75 फीसदी बढ़कर 65.87 अरब डॉलर जबकि आयात 12.85 फीसदी बढ़कर 39.43 अरब डॉलर रहा. जाहिर है कि अमेरिका के निर्यात में आई गिरावट की चीन से पूरी तरह भरपाई हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों ने ममता बनर्जी सरकार की सच्चाई कर दी उजागर - बिहार BJP प्रमुख संजय सरावगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा नोटिस जारी करने पर, बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने शुक्रवार को कहा कि शीर्ष अदालत की टिप्पणियों ने ममता बनर्जी सरकार की सच्चाई उजागर कर दी है, और आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था चरमरा गई है और पुलिस जांच में दखलअंदाजी हो रही है। संजय सरावगी ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार की सच्चाई उजागर कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि अराजकता फैलेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां खुद बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाती हैं... मुख्यमंत्री खुद IPAC जांच में दखल देती हैं, फाइलें ले जाती हैं... सुप्रीम कोर्ट के बयान से साफ है कि वहां किस तरह की अराजक स्थिति है।' इस बीच, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस बात पर जोर दिया कि 'सभी को कानून का पालन करना चाहिए।' पत्रकारों से बात करते हुए, बोस ने कहा, 'अदालतें हैं। सभी को कानून का पालन करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, वह अंतिम है।'

ये टिप्पणियां गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी करने के बाद आई, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA) के तहत राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म I-PAC के परिसरों पर तलाशी अभियान के दौरान राज्य के अधिकारियों द्वारा हस्तक्षेप का आरोप लगाया गया था। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एजी मसीह की बेंच ने कहा कि अगर बड़े संवैधानिक सवालों से जुड़े मुद्दों को अनसुलझा छोड़ दिया जाता है, तो इससे अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा शासित राज्यों में अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है।

इससे पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित तौर पर कोयला तस्करी मामले के सिलसिले में राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म I-PAC के दफ्तरों पर श्वष्ठ की छापेमारी के दौरान दखल दिया था। बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी ने पार्टी से संबंधित सामान, जिसमें हार्ड डिस्क, उम्मीदवारों की लिस्ट और रणनीतिक दस्तावेज शामिल हैं, जब्त कर लिए हैं, और अमित शाह पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'क्या पार्टी की हार्ड डिस्क, उम्मीदवारों की लिस्ट इकट्ठा करना श्वष्ठ, अमित शाह का काम है? वह घटिया, शरारती गृह मंत्री जो देश की रक्षा नहीं कर सकता, मेरे पार्टी के सभी दस्तावेज ले जा रहा है।'

संक्षिप्त ख़बरें

संगम एक्सप्रेस के ष्ट कोच में बीकेयू कार्यकर्ता ने कर दिया बड़ा कांड! वीडियो वायरल, जाने क्या है पूरा मामला

हापुड़- उत्तर प्रदेश के हापुड़ रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया, जब संगम एक्सप्रेस के एसी कोच में बिना आरक्षण यात्रा कर रहे भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के कार्यकर्ताओं ने यात्रियों की सीटों पर जबरन कब्जा कर लिया। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने कोच के अंदर बीड़ी और शराब का सेवन भी शुरू कर दिया, जिससे यात्रियों में दहशत और नाराजगी फैल गई।

यात्रियों के साथ बदसलूकी का आरोप

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रयागराज में संगम की रेती पर आयोजित भारतीय किसान यूनियन के चिंतन शिविर में शामिल होने के लिए मुजफ्फरनगर, मेरठ और हापुड़ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता ट्रेन में सवार हुए थे। बिना रिजर्वेशन एसी कोच में घुसे कार्यकर्ताओं ने यात्रियों की आरक्षित सीटों पर बैठकर और लेटकर सफर शुरू कर दिया। जब यात्रियों ने इसका विरोध किया, तो उनके साथ बदसलूकी की गई।

जीआरपी से बीकेयू के कार्यकर्ताओं ने की बदसलूकी

घटना की सूचना एक महिला यात्री ने पुलिस को दी। ट्रेन के हापुड़ स्टेशन पर रुकते ही रेलवे सुरक्षा बल (RPF), जीआरपी और हापुड़ नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस और यात्रियों के सामने किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं के साथ तीखी बहस भी देखने को मिली। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी यात्री ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि एसी कोच में बिना टिकट कार्यकर्ता यात्रियों की सीटों पर बैठे और लेटे हुए हैं।

एसी कोच से हटा कर स्लीपर कोच में भेजा

RPF स्टेशन प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश यादव ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी किसान यूनियन कार्यकर्ताओं को समझाकर एसी कोच से हटाया गया और स्लीपर कोच में शिफ्ट किया गया। स्थिति सामान्य होने के बाद ट्रेन को अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

रुपया लेकर पट्टा करने वालों के विरुद्ध हो कार्रवाई... सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन में भूमि पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिस भी गांव में रुपया लेकर पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया।

सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपराध से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए

साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इसी क्रम में एक महिला ने आर्थिक तंगी को लेकर बिटिया की शादी की चिंता व्यक्त की तो योगी ने अधिकारियों से कहा कि बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराने की व्यवस्था करें। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

रोहन चोकसी पर श्वष्ठ का दावा, पिता मेहुल के साथ मिलकर मनी लॉन्ड्रिंग में 'एक्टिवली' शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेहुल चोकसी के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में ED ने पहली बार दावा किया है कि उनका बेटा रोहन चोकसी भी इस मामले में एक्टिवली शामिल था. ये दावा दिल्ली में फॉरफिटेड प्रॉपर्टी के अपीलेट ट्रिब्यूनल (ATFP) के सामने किया गया. सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी के बेटे रोहन चोकसी ने मुंबई में स्थित एक प्रॉपर्टी की अटैचमेंट के खिलाफ अपील की थी।

ये प्रॉपर्टी 2018 में ED ने अटैच की थी. रोहन का कहना था कि ये प्रॉपर्टी उनके फैमिली ट्रस्ट की है और 1994 में खरीदी गई थी. लेकिन ED ने ट्रिब्यूनल को बताया कि ये प्रॉपर्टी मेहुल चोकसी ने साल 2013 में अपने बेटे के नाम ट्रांसफर की थी. ताकि अगर धोखाधड़ी सामने आए तो प्रॉपर्टीज बचाई जा सके. रोहन चोकसी का नाम चार्जशीट में नहीं

ED ने कहा कि सबूत बताते है कि रोहन चोकसी भी मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल था. गौर करने वाली बात ये है कि रोहन चोकसी का नाम किसी FIR या चार्जशीट में नहीं है. मेहुल चोकसी 2017 में भारत छोड़कर फरार हो गया था. उस पर पंजाब नेशनल बैंक को हजारों करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप है. वो इस वक्त बेल्जियम में जेल में है और उसके खिलाफ भारत की तरफ से एक्स्ट्राडिशन की कार्रवाई चल रही है. ट्रिब्यूनल के सामने अपनी लिखित दलीलों में जांच एजेंसी ने कहा कि मेहुल चोकसी कई ऐसी कंपनियों में डायरेक्टर था जो सिर्फ कागजों पर मौजूद थीं. एजेंसी के अनुसार, ये शेल कंपनियां बिना किसी सामान की असल खरीद-बिक्री के फर्जी लेनदेन दिखाने और अपराध से मिले पैसे को रूट करने के लिए बनाई गई थीं।

एजेंसी ने ट्रिब्यूनल को यह भी बताया कि रोहन चोकसी की एक और कंपनी, लस्टर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में 99.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें मेहुल चोकसी डायरेक्टर है. जांच में पता चला कि इस कंपनी का इस्तेमाल विदेश में फंड डायवर्ट करने के लिए किया गया था.

रोहन चोकसी अटैचमेंट से क्यों नहीं बच सकते?

ED के मुताबिक, जांच में यह भी पता चला कि एशियन डायमंड एंड ज्वैलरी FZE से सिंगापुर की मर्लिन लग्जरी ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड को 127,500 अमेरिकी डॉलर (लगभग 81.6 लाख रुपये) ट्रांसफर किए गए थे. ED का दावा है कि एशियन डायमंड एंड ज्वैलरी FZE ने अपराध से मिली रकम सीधे इस कंपनी को ट्रांसफर की थी. एजेंसी ने ट्रिब्यूनल को बताया कि सिंगापुर की मर्लिन लग्जरी ग्रुप भी मेहुल चोकसी के कंट्रोल में थी और इसे लस्टर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के ज़रिए चलाया जा रहा था. इसलिए, एजेंसी ने तर्क दिया कि चूंकि रोहन चोकसी के पास कंपनी में 99.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है, इसलिए वह संपत्ति अटैचमेंट से बच नहीं सकते।

स्कूल को बताया मदरसा, पंचायत ने चला दिया बुलडोजर... बैतूल में मच गया हंगामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश के बैतूल में एक प्राइवेट स्कूल की बिल्डिंग पर बुलडोजर कार्रवाई के बाद से हंगामा मचा हुआ है. ढाबा गांव में बने इस स्कूल के भवन को लेकर ग्राम पंचायत की कार्रवाई चर्चा का विषय बन गई है. लगभग 20 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस भवन को बिना अनुमति निर्माण बताते हुए पंचायत द्वारा आंशिक रूप से गिराया गया. भवन निर्माण को लेकर गांव में मदरसा बनने की अफवाह भी फैली थी, जबकि भवन स्वामी ने स्कूल संचालन की अनुमति के लिए आवेदन किया हुआ है।

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में एक निर्माण को लेकर की गई पंचायत की कार्रवाई अब प्रशासनिक और राजनीतिक बहस का विषय बन गई है. ढाबा गांव में बनाए जा रहे एक स्कूल भवन को अवैध निर्माण मानते हुए ग्राम पंचायत ने उसका कुछ हिस्सा तोड़ दिया. भवन स्वामी का कहना है कि यह कदम नियमों की पूरी जानकारी न होने के कारण उठाया गया और इसे गलत तरीके की कार्रवाई बताया जा रहा है।

20 लाख हुए खर्च, कहां हुई चूक?

जानकारी के अनुसार, ढाबा गांव निवासी अब्दुल नईम द्वारा गांव के बच्चों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक स्कूल भवन का निर्माण कराया जा रहा था, जिस पर लगभग 20 लाख रुपये खर्च किए गए. नईम का कहना है कि उन्होंने स्कूल संचालन के लिए संबंधित विभागों में आवेदन भी किया था, लेकिन निर्माण के दौरान ग्राम पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना आवश्यक है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी. इसी बीच गांव में यह चर्चा फैल गई कि यहां किसी धार्मिक संस्था से जुड़ा निर्माण किया जा रहा है. इस अफवाह के बाद मामला प्रशासन तक पहुंचा और ग्राम पंचायत ने इसे बिना अनुमति किया गया निर्माण मानते हुए पंचायत राज अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया. नोटिस और सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंचायत द्वारा भवन का एक हिस्सा हटाने की कार्रवाई की गई. इस कदम से नाराज अब्दुल नईम ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा. उनके समर्थन में कांग्रेस नेता हेमंत बागडरें सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

जुर्माना बनता है तो जमा करने के लिए तैयार

अब्दुल नईम का कहना है कि यदि नियमों के अनुसार कोई जुर्माना बनता है तो वह उसे जमा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन भवन को पूरी तरह तोड़ा जाना उचित नहीं है. उन्होंने प्रशासन से सहयोग और समाधान की अपील की है. इस मामले पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने स्पष्ट किया कि ढाबा गांव का यह प्रकरण उनके संज्ञान में पहले से था. उन्होंने बताया कि यह निर्माण ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आता है और पंचायत राज अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पूरी कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई. कलेक्टर के अनुसार, नोटिस जारी करने और सुनवाई के बाद यह निर्माण नियमों के विपरीत पाया गया, जिसके चलते ग्राम पंचायत के माध्यम से संरचना हटाने की कार्रवाई की गई. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कदम किसी स्कूल, व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं, बल्कि केवल नियमों के अनुपालन के लिए उठाया गया है. प्रशासन का कहना है कि भविष्य में यदि सभी आवश्यक अनुमतियां और नियमों का पालन किया जाता है, तो किसी भी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सकता है. फिलहाल यह मामला नियमों और प्रक्रियाओं के पालन को लेकर चर्चा में बना हुआ है।

बदलती वैश्विक राजनीति और इस्लामिक नाटो की आहट, भारत के लिए संभावनाएँ और चुनौतियाँ

दुनिया की राजनीति इस समय एक गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। शीत युद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब धीरे-धीरे ढीली पड़ती दिख रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं क्षेत्रीय शक्तियाँ अपने-अपने स्तर पर नए सुरक्षा विकल्प तलाश रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में हाल के महीनों में जिस अवधारणा ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह है तथाकथित इस्लामिक नाटो। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुई रक्षा समझौता, उसमें तुर्किये की संभावित भागीदारी और अरब-इस्लामिक मंचों पर सामूहिक सुरक्षा की चर्चा ने इस विचार को नई हवा दी है। यह महज तीन देशों की आपसी नजदीकी का मामला नहीं है, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दूरगामी असर डालने वाली प्रक्रिया का संकेत भी है। भारत के संदर्भ में यह विषय इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत के अधिकतर इस्लामिक देशों के साथ लंबे समय से कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते रहे हैं। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में शामिल हैं। खाड़ी देशों में करोड़ों भारतीय काम करते हैं और वहां से आने वाला धन भारतीय अर्थव्यवस्था की एक मजबूत रीढ़ है। अब तक भारत ने इन देशों के साथ राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यावहारिक और संतुलित संबंध बनाए रखे हैं। लेकिन अगर इस्लामिक देशों का कोई औपचारिक सैन्य संगठन अस्तित्व में आता है, तो इस संतुलन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच सितंबर 2025 में हुआ रक्षा समझौता इस पूरी चर्चा की बुनियाद है। इस समझौते में यह प्रावधान रखा गया कि अगर दोनों में से किसी एक देश पर हमला होता है, तो उसे दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। यह विचार पश्चिमी सैन्य गठबंधन की तर्ज पर है, जिसमें सामूहिक रक्षा की अवधारणा शामिल होती है। पाकिस्तान की खासियत यह है कि वह इकलौता इस्लामिक देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं। यही कारण है कि सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के लिए पाकिस्तान का साथ रणनीतिक रूप से आकर्षक बन जाता है। तुर्किये की संभावित भागीदारी इस गठजोड़ को और मजबूत रूप दे सकती है, क्योंकि तुर्किये के पास आधुनिक सैन्य तकनीक, प्रशिक्षित सेना और यूरोप तथा एशिया को जोड़ने वाली भौगोलिक स्थिति है।

हालांकि यह भी सच है कि इस्लामिक देशों के बीच एक मजबूत और एकजुट सैन्य संगठन बनाना आसान नहीं है। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि मुस्लिम देशों ने पहले भी इस तरह की कोशिशें की हैं, लेकिन वे अक्सर कागजों से आगे नहीं बढ़ पाईं। सऊदी अरब की पहल पर बना आतंकवाद विरोधी इस्लामिक सैन्य गठबंधन हो या इस्लामिक सहयोग संगठन के भीतर संयुक्त सुरक्षा बल का प्रस्ताव, ये सभी योजनाएँ आपसी मतभेदों और राजनीतिक असहमति के चलते ठंडे बस्ते में चली गईं। शिया और सुन्नी विभाजन, क्षेत्रीय नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और बाहरी शक्तियों से जुड़े हित इन प्रयासों की सबसे बड़ी बाधा रहे हैं। मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति इस बहस को और जटिल बना देती है। इजराइल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। कई इस्लामिक देशों पर हुए हमलों के बाद अरब दुनिया में यह भावना गहरी हुई है कि उनकी सुरक्षा केवल बाहरी शक्तियों के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। तेल संपन्न खाड़ी देशों के पास धन की कमी नहीं है, लेकिन परमाणु या अत्याधुनिक रणनीतिक हथियारों के मामले में वे कमजोर हैं। ऐसे में पाकिस्तान जैसे देश के साथ खड़ा होना उन्हें एक तरह की सुरक्षा ढाल का एहसास देता है। भारत के लिए यह परिदृश्य चिंता का विषय इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान लंबे समय से इस्लामिक मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ माहौल बनाने के लिए करता रहा है। कश्मीर मुद्दे को इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठकों में उठाया जाना और आतंकी घटनाओं को अंतरराष्ट्रीय रंग देने की कोशिशें इसका उदाहरण हैं। विदेश मामलों के जानकार डॉ. राजन कुमार का मानना है कि भारत कभी नहीं चाहेगा कि इस्लामिक देशों के बीच कोई औपचारिक सैन्य संगठन बने, खासकर तब जब उसमें पाकिस्तान जैसी भूमिका हो। पाकिस्तान का परमाणु दर्जा उसे इस्लामिक दुनिया में एक अलग तरह की हैसियत देता है, जिसका इस्तेमाल वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कर सकता है।

अगर भविष्य में इस्लामिक नाटो जैसा कोई संगठन बनता है और उसमें सामूहिक रक्षा का सिद्धांत लागू होता है, तो भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी संभावित संघर्ष का दायरा बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित न रहकर बहुपक्षीय रूप ले सकता है। तुर्किये पहले ही कई मौकों पर पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर सामने आ चुका है। रिटायर्ड वायुसेना अधिकारियों और रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा संगठन केवल भारत ही नहीं, बल्कि इजराइल, आर्मेनिया और साइप्रस जैसे देशों के लिए भी नई चुनौतियाँ खड़ी कर सकता है। इसी कारण भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी कूटनीतिक रणनीति को और व्यापक बनाया है। ग्रीस और साइप्रस जैसे देशों के साथ रक्षा और रणनीतिक सहयोग बढ़ाना, इजराइल के साथ रिश्तों को और मजबूत करना, और पश्चिम एशिया में संतुलित नीति अपनाना इसी दिशा के कदम हैं। भारत की कोशिश रही है कि वह किसी एक खेमे में बंधने के बजाय सभी के साथ व्यावहारिक संबंध बनाए रखे। लेकिन बदलते हालात में यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी समझना जरूरी है कि इस्लामिक नाटो की अवधारणा फिलहाल विचार और चर्चा के स्तर पर ही है। दोहा जैसी बैठकों में इसे सिद्धांत रूप में स्वीकार जरूर किया गया है, लेकिन कोई ठोस समयसीमा या स्पष्ट ढांचा सामने नहीं आया है। इस्लामिक देशों के आपसी मतभेद इतने गहरे हैं कि उन्हें एक मंच पर लाना ही बड़ी चुनौती है, एक प्रभावी सैन्य संगठन बनाना तो उससे भी कठिन काम है। मिस्र, जॉर्डन और कतर जैसे देश अभी भी अमेरिका के बड़े सहयोगी हैं। इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों की राजनीति और प्राथमिकताएँ मध्य पूर्व से काफी अलग हैं। ऐसे में सभी का एकजुट होना आसान नहीं दिखता।

फिर भी सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बढ़ती सैन्य और रणनीतिक नजदीकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत है, जिसमें क्षेत्रीय शक्तियाँ अपने हितों की रक्षा के लिए नए रास्ते तलाश रही हैं। भारत के लिए यह एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि भविष्य की चुनौतियों के लिए अभी से तैयार रहना होगा, और अवसर इसलिए कि सक्रिय कूटनीति, मजबूत आर्थिक संबंधों और बहुपक्षीय संवाद के जरिए इन बदलावों को संतुलित किया जा सकता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'इस्लामिक नाटो' फिलहाल एक उभरती हुई परिकल्पना है, न कि एक ठोस हकीकत। इसके रास्ते में कई राजनीतिक, वैचारिक और व्यावहारिक अड़चनें हैं। लेकिन जिस तरह से दुनिया का शक्ति संतुलन बदल रहा है, उसमें इस तरह की अवधारणाओं का उभरना स्वाभाविक है। भारत के लिए जरूरी है कि वह इन संकेतों को गंभीरता से समझे, अपनी रणनीति को समय के साथ ढाले और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर सजग रहे।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

गैस गीजर और अंगीठी से हर साल हजारों निर्दोष मौत

इन दिनों देश के अनेक भागों में कड़ाके की ठंड पड़ने से तापमान शून्य से भी नीचे चला गया है। ऐसे में ताप के लिए चंद लोग कमरों में अंगीठी जला कर सोने के कारण जहरीला धुआं चढ़ने से मृत्यु के शिकार हो रहे हैं।वहीं सैकड़ों लोग बिना वेंटिलेटर वाले बाथरूम में गैस गीजर का इस्तेमाल करने से आक्सीजन कम होने पर जान गंवा देते हैं। भारत के अलग-अलग हिस्सों से हर कुछ महीनों में एक जैसी खबरें सामने आती हैं। बाथरूम में नहाते समय गैस गीजर से निकली जहरीली गैस, दम घुटना और फिर अचानक बाथरूम में नहाने वाले की मौत हो जाना। ये खबरें चौंकाती जरूर हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद भुला दी जाती हैं। यही भूल सबसे खतरनाक है। क्योंकि गैस गीजर कोई अचानक खराब होने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा खामोश खतरा है, जो ज़रा-सी लापरवाही पर जान ले सकता है।

आपको पता हो कि कमरे में लकड़ी या कोयले की अंगीठी जला कर रखने से 'ऑक्सीजन' की कमी हो जाती है और 'कार्बन मोनोआक्साइड' सीधे दिमाग पर असर डालती है, जो सांस के जरिए पूरे शरीर में फैल जाती है। इससे शरीर में ' हीमोग्लोबिन' कम हो जाने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसी कारण पिछले लगभग 2 सप्ताह में हुई ऐसी दर्दनाक मौतों की झड़ी लगी हैं। इसी तरह बाथरूम में गैस गीजर चलाने पर भी आक्सीजन कम हो जाता है और अनेक लोग हर साल जान गंवा देते हैं।

कुछ दुखद घटनाओं की बानगी देखिए हाल ही में उत्तर प्रदेश के बदायूं में ऐसा ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। असल में, सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शाहबाजुर जफा में रहने वाले सलीम अहमद के दो बेटे 11 साल का सयान और 4 साल का रयान, रोज़ की तरह सुबह करीब 10 बजे बाथरूम में नहाने गए थे। बाथरूम अंदर से बंद था और गैस गीजर चालू था।

आपको बता दें कि 22 दिसंबर को यूपी केपीलीभीत में शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गुरुकुल पुरम में बाथरूम में गैस गीजर का प्रयोग करने के कारण ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से डीआरडीए के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और उनकी पत्नी की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। नहाते समय पत्नी का दम घुटने पर पति उन्हें बचाने के लिए पहुंचा, लेकिन वह भी चपेट में आ गया और दोनों की मौत हो गई।

दो जनवरी को पंजाब के शिवसेना नेता दीपक कंबुज की 22 वर्षीय पुत्री मुनमुन की बाथरूम में दम घुटने से मौत हो गई।

27 दिसम्बर, 2025 को 'छपरा' (बिहार) में ठंड से बचने के लिए एक कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे 3 बच्चों और उनकी नानी की दम घुटने से मृत्यु हो गई तथा परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। इस घटना में मारे गए तीनों बच्चे रिश्ते में भाई-बहन थे जो सर्दी की छुट्टियों में ननिहाल आए हुए थे 31 दिसम्बर, 2025 को 'गयाजी' (बिहार) के 'कुर्किहार' गांव में कमरे के भीतर ठंड से बचने के लिए दरवाजा और खिड़की बंद करके अंगीठी जला कर सो रहे 'सुजीत कुमार' और 'अंशु कुमारी' नामक भाई-बहन तथा उनकी नानी 'मीना देवी' की दम घुटने से मौत हो गई।

8 जनवरी, 2026 को 'तरनतारन' (पंजाब) में 'गुरमीत सिंह' तथा उनकी पत्नी 'जसबीर कौर' की ठंड से बचने के लिए जला कर कमरे में रखी लकड़ियों की गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई।

8 जनवरी, 2026 को ही 'पटौदी' (हरियाणा) में ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी सुलगा कर सोना एक श्रमिक के परिवार पर आफत बन कर टूटा तथा दम घुटने से एक 11 वर्षीय बच्ची की मृत्यु एवं परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए।

9 जनवरी, 2026 को 'हजारीबाग' (झारखंड) के 'बानादाग' गांव में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे दम्पति की दम घुटने से जान चली गई।

9 जनवरी, 2026 को ही 'कोडरमा' (झारखंड) के 'पूरना नगर' में ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में कोयला जला कर सो रहे पति-पत्नी 'वीरेंद्र शर्मा' और 'कांति देवी' की दम घुटने से मौत हो गई।

9 जनवरी, 2026 को ही 'उत्तर काशी' (उत्तराखंड) के 'चाम्पकोट' में कमरे में जल रही अंगीठी की गैस के कारण एक युवक की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से बीमार हो गया।

10 जनवरी, 2026 को 'आरा' (बिहार) के 'छोटकी सिंगरी' गांव में एक कमरे में अपने माता-पिता और बहन के साथ ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे 12 वर्षीय बच्चे 'बजरंगी सिंह' की मौत हो गई जबकि उसके माता-पिता और बहन गंभीर रूप से बीमार हो गए।

और अब 11 जनवरी, 2026 को 'तरनतारन' (पंजाब) में ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे' अर्शदीप सिंह' (20), उसकी पत्नी' जशनदीप कौर' (19) तथा 2 महीने के मासूम बेटे 'गुरबाज सिंह' की दम घुटने से मौत हो गई और 'अर्शदीप सिंह' का साला 'किशन सिंह' बेहोश हो गया।

उक्त सब घटनाओं का सबक यही है कि बंद कमरे में अंगीठी नहीं जलानी चाहिए और यदि जलानी ही पड़े तो सोने से पहले उसे बुझा देना चाहिए ताकि धुआं पैदा न हो। इसके अलावा सोते समय खिड़की और रोशनदान भी कुछ खुले रखने चाहिएं।

इसी तरह गैस गीजर एलपीजी से पानी गर्म करता है। इस प्रक्रिया में आंशिक दहन होता है, जिससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलती है। यह गैस न दिखती है, न सूंघी जा सकती है। यानी इंसान को पता ही नहीं चलता कि वह ज़हर सांस के साथ अंदर ले रहा है। बंद बाथरूम में यह गैस कुछ ही मिनटों में जानलेवा स्तर तक पहुंच जाती है। पहले चक्कर, फिर घबराहट, बेहोशी और कई मामलों में मौत से जुड़े मामले भी सामने आए हैं। ऐसे अनेक खतरनाक हादसे के बारे में हम पढ़ चुके हैं और यह पहला और आखिरी मामला नहीं है। हर साल देश भर में अलग अलग हादसों में एक हजार से अधिक लोगों की जान ऐसी ही छोटी लेकिन गंभीर लापरवाही के कारण जा रही है। आखिर अपने बाथरूम में लोग खुद से मौत लेकर क्यों आते हैं?क्यों बंद कमरे में हीटर या अंगीठी लगा कर सो जाते हैं? स्थानीय प्रशासन और स्वयं सेवी संस्थाओं को भी चाहिए कि इस बारे लोगों को जागरूक करे, ताकि इस तरह की दर्दनाक और असामयिक मौतों के परिणामस्वरूप परिवार तबाह होने से बच सकें।

मनोज कुमार अग्रवाल

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं। 'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर स्वामीजी ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था।

तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ-साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया।

इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....।

इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला।

तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया। इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंची एक विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली। इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिट्रेसी कैंप के आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास भी किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गई, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया।

यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दोनों का विषय है।

इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने विचारों से समृद्ध बनाया। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्श और जनसंवाद को भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्यौहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्यौहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्यौहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

कुपोषित बचपन संकट के नए संदेश

जहरीला पानी गंभीर लापरवाही की निशानी।

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। इन्हीं नौनिहालों के कंधों पर आने वाले कल की जिम्मेदारी टिकी होती है। पर यदि देश का बचपन ही कुपोषण, बीमारी और कमजोरी से जूझ रहा हो, तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना केवल नारा बनकर रह जाती है। आज भारत इसी गंभीर और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है, जहाँ बाल कुपोषण एक विकराल राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुका है। यह केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, प्रशासनिक संवेदनशीलता और भविष्य की सुरक्षा का सवाल है। सरकारी आंकड़े स्वयं इस भयावह स्थिति की गवाही देते हैं। देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 35 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, जिनमें से करीब 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं और लगातार बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह आंकड़ा किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैली एक गहरी बीमारी की ओर इशारा करता है। महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश जैसे आर्थिक रूप से सक्षम और बड़े राज्यों में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक होना, व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विडंबना यह है कि एक ओर देश में हर साल बाल दिवस बड़े उत्सव और करोड़ों के खर्च के साथ मनाया जाता है, वहीं दूसरी ओर वही बच्चे कुपोषण और भूख से जूझ रहे हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय जैसे अलग मंत्रालय की मौजूदगी के बावजूद यदि बच्चों का पोषण सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं की विफलता है। मलेरिया, टीबी और अन्य बीमारियों पर अरबों रुपये खर्च किए जाते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक है, परंतु यदि देश की 'रीढ़ की हड्डी' माने जाने वाले बच्चे ही कमजोर रहेंगे, तो ये सारी योजनाएँ अधूरी साबित होंगी।

कोरोना महामारी ने इस संकट को और गहरा कर दिया। लॉकडाउन, स्कूलों का बंद होना, आंगनबाड़ी सेवाओं में बाधा और गरीब परिवारों की आय में गिरावट– इन सबका सीधा असर बच्चों के पोषण पर पड़ा। परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में कुपोषण और उससे होने वाली बाल मृत्यु की आशंका और बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 18 लाख बच्चे अत्यधिक कुपोषित हैं और 16 लाख बच्चे अल्प कुपोषण की स्थिति में हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि हर आंकड़े के पीछे एक कमजोर शरीर, एक अधूरा बचपन और एक अनिश्चित भविष्य छिपा है। वैश्विक स्तर पर स्थिति और भी शर्मनाक है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2021 के अनुसार भारत 116 देशों में 101वें स्थान पर पहुँच गया है। वर्ष 2020 में भारत 94वें स्थान पर था, यानी हर साल स्थिति और खराब होती जा रही है। यह स्थिति तब और पीड़ादायक हो जाती है जब भारत अपने पड़ोसी देशों– पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान–से भी पीछे दिखाई देता है। यह साफ संकेत है कि कुपोषण से निपटने के प्रयास पर्याप्त और प्रभावी नहीं हैं।

राज्यों की स्थिति भी अलग-अलग होते हुए भी समान रूप से चिंताजनक है। पोषण ट्रैकर के अनुसार केवल महाराष्ट्र में ही 6 लाख कुपोषित बच्चे दर्ज किए गए हैं, जिनमें से बड़ी संख्या गंभीर कुपोषण से पीड़ित है। बिहार में 5 लाख, गुजरात में 3.30 लाख, उत्तर प्रदेश में 19 लाख, दिल्ली में 2 लाख, आंध्र प्रदेश में 2.70 लाख, कर्नाटक में 2.50 लाख, तमिलनाडु और असम में 1.80 लाख तथा तेलंगाना में 1.60 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। यह सूची बताती है कि समस्या न तो केवल पिछड़े राज्यों की है और न ही केवल ग्रामीण क्षेत्रों की–यह एक सर्वव्यापी राष्ट्रीय संकट है। कुपोषण का असर केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहता। कुपोषित बच्चे जब बड़े होते हैं, तो वे अनेक बीमारियों के साथ जीवन की शुरुआत करते हैं। देश के लगभग 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत से कम रह जाता है और 21 प्रतिशत बच्चों का वजन अत्यंत कम होता है। शारीरिक कमजोरी के साथ-साथ उनकी सीखने की क्षमता, कार्यक्षमता और आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। ऐसे बच्चे आगे चलकर देश के लिए कितने सक्षम नागरिक बन पाएँगे–यह प्रश्न अत्यंत गंभीर है।

इस संकट में पर्यावरण और बुनियादी सुविधाओं की भूमिका भी कम नहीं है। हाल ही में इंदौर में पानी के प्रदूषण से जुड़ी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वच्छ जल की कमी और प्रदूषित पानी बच्चों के स्वास्थ्य को किस तरह गहराई से प्रभावित करता है। कुपोषण केवल भोजन की कमी से नहीं, बल्कि गंदे पानी, खराब स्वच्छता और बार-बार होने वाली बीमारियों से भी जुड़ा हुआ है। जब बच्चा लगातार दस्त, बुखार या संक्रमण से जूझता है, तो उसका शरीर पोषण को ग्रहण ही नहीं कर पाता। प्रश्न यह है कि जब देश के 40 से अधिक विभागों में हर साल अरबों रुपये खर्च हो सकते हैं, तो बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा? यह स्थिति केवल चिंताजनक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और महिला-बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी स्पष्ट रूप से बच्चों और महिलाओं के लिए विशेष पोषण अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर देता रहा है।

समाधान भी उतने ही स्पष्ट हैं, जितनी समस्या। सबसे पहले, बाल कुपोषण को राष्ट्रीय आपातकाल जैसी प्राथमिकता देनी होगी। इसे केवल योजना नहीं, बल्कि मिशन के रूप में चलाना होगा। आंगनबाड़ी और मध्याह्न भोजन योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखकर, उनकी गुणवत्ता, निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं को पोषण कार्यक्रमों से जोड़ना होगा। स्थानीय स्तर पर समुदाय, पंचायत, स्कूल और स्वयंसेवी संगठनों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। इसके साथ ही, सरकार को डेटा के आधार पर राज्यवार और जिलेवार विशेष अभियान चलाने होंगे, जहाँ समस्या अधिक गंभीर है। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं पर विशेष ध्यान देकर कुपोषण की जड़ पर प्रहार किया जा सकता है। पोषण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं है–समाज, मीडिया और नागरिकों को भी इस मुद्दे को उतनी ही गंभीरता से उठाना होगा। अंततः यह समझना होगा कि कुपोषित बच्चे केवल आज की समस्या नहीं हैं, वे कल का भारत हैं। यदि आज हमने उन्हें स्वस्थ, पोषित और सशक्त नहीं बनाया, तो आने वाला कल कमजोर, बीमार और असमान होगा। देश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भले ही प्रतिशत कम लगे, पर हर साल बढ़ती कुपोषण की दर भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। अब समय आ गया है कि नारे और समारोह से आगे बढ़कर, बचपन को बचाने का संकल्प लिया जाए–क्योंकि स्वस्थ बचपन ही सशक्त राष्ट्र की पहली शर्त है।

संजीव ठाकुर

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बन्धित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

श्रीभूमि जिले के दक्षिण छनटिला में महामाया दुर्गा क्लब द्वारा आयोजित टी-10 नाइट टूर्नामेंट 7 A साइड कार्यक्रम

श्रीभूमि: ज़िले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के दुल्लभछड़ा के पासवर्ती दक्षिण छनटिला में महामाया दुर्गा क्लब के आयोजन में 16 जनवरी को दक्षिण छनटिला में 7 A साइड क्रिकेट का टी-10 मैच आयोजित किया गया है। इसमें खेल मैदान के उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे दुल्लभछड़ा के समाजसेवी दीपन सिन्हा, संपादक रणधीर यादव। क्लब की ओर से बताया गया कि इच्छुक खिलाड़ी खेल संचालन समिति के अध्यक्ष और संपादक से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रथम स्थान पाने वालों को 7,000 (सात हजार रुपये) और दूसरे स्थान के लिए 4,000 (चार हजार रुपये) पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके साथ ही खेल में भाग लेने वालों को 1,000 (एक हजार रुपये) भी दिया जाएगा। नव पीढ़ी को प्रोत्साहित करने हेतु क्षेत्रवासियों से खेल संचालन समिति की ओर से विनम्र अनुरोध किया गया है कि वह सभा में उपस्थित रहें।

आनंद डेयरी प्लांट पर इनकम टैक्स का छापा, कर्मचारियों में मचा हड़कंप

इनकमटैक्स टीम ने कंप्यूटर-दस्तावेज किए जब्त

लालगंज (रायबरेली)। नगर के फतेहपुर रोड पर कोतवाली गेट के सामने स्थित आनंद डेयरी प्लांट में गुरुवार सुबह इनकम टैक्स विभाग की टीम ने छापा मारा। अचानक हुई कार्रवाई से प्लांट परिसर में हड़कंप मच गया। सुबह करीब छह बजे हरियाणा और दिल्ली नंबर की कई गाड़ियों से पहुंचे इनकम टैक्स अधिकारियों ने प्लांट का मुख्य गेट बंद कर दिया और कर्मचारियों की आवाजाही रोक दी। जांच के दौरान प्लांट में मौजूद सभी कर्मचारियों के मोबाइल फोन जमा कराए गए। सुबह की शिफ्ट में पहुंचे कर्मचारियों को भी मोबाइल जमा करने के बाद ही अंदर प्रवेश दिया गया, जिससे कर्मचारियों में दहशत और असमंजस का माहौल रहा। सूत्रों के अनुसार टीम ने प्लांट कार्यालय में रखे कंप्यूटर, लैपटॉप और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं। आय-व्यय से जुड़े रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जा रही है। छापे की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में चर्चा तेज हो गई और बड़ी संख्या में लोग प्लांट के बाहर जमा हो गए। सुरक्षा के मद्देनजर किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। देर शाम तक कार्रवाई जारी रहने की संभावना जताई जा रही।

अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से भट्ठा मुंशी की मौत

डलमऊ रायबरेली। चाचा के साथ मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ उपचार कराने जा रहे भट्ठा मुंशी की बाइक में ट्रक की जोरदार टक्कर लगने से चाचा भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को क्षेत्रीय लोगों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने घायल भतीजे भट्ठा मुंशी को मृत घोषित कर दिया।

डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के सरिस्ता पुर मजरे तेरूखा ग्राम निवसी अजय कुमार बीते दो दिनों से अस्वस्थ थे और उपचार के लिए गुरुवार को अपने चाचा राम बहादुर के साथ मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराने जा रहा थे तभी रायबरेली डलमऊ मार्ग पर घुरवारा गांव के पास त्रिपुला नाले के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से दोनों चाचा भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें क्षेत्रीय लोगों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सक द्वारा घायल अजय कुमार 36 वर्ष को मृत घोषित कर दिया।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।मृतक की पत्नी रेनू व इकलौता पुत्र प्रतीक का रो रो कर बुरा हाल है।सूचना पर पहुंची डलमऊ पुलिस द्वारा पंचनामा की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी राघवन सिंह ने बताया की दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, विरोध करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ): राजधानी के थाना मलिहाबाद अंतर्गत ग्राम मऊ रमगढ़ा में दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ के निवासी आशीष कुमार बाजपेयी ने गाँव के ही दबंग अश्वनी मिश्रा और रूपेश मिश्रा पर सरकारी जमीन कब्जाने और विरोध करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। आशीष का कहना है कि इन लोगों ने उनके घर के सामने गंदगी फैलाकर पूरे परिवार का जीना मुश्किल कर दिया है।

मुख्य द्वार पर कूड़े का ढेर, बीमारी का खतरा

पीड़ित आशीष कुमार का कहना है कि उनके घर के ठीक सामने स्थित सरकारी जमीन (ग्राम समाज) पर गाँव के ही अश्वनी मिश्रा और रूपेश मिश्रा अवैध कब्जा करने की नीयत से जबरन गोबर और कूड़े का ढेर लगा रहे हैं। घर के मुख्य दरवाजे के पास गंदगी होने के कारण परिवार का सांस लेना दूभर हो गया है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला और धमकी

शिकायत के अनुसार, जब पीड़ित आशीष कुमार के परिवार ने इस गंदगी और अवैध कब्जे का विरोध किया, तो विपक्षी गण (अश्वनी और रूपेश) अपने पूरे परिवार के साथ लाठी-डंडे लेकर एकजुट होकर आए। आरोप है कि दबंगों ने गाली-गलौज करते हुए आशीष कुमार और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि ये लोग दबंगई के बल पर सरकारी जमीन को घेरना चाहते हैं।

प्रशासन से न्याय की गुहार

पीड़ित आशीष कुमार ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर मांग की है कि:

» घर के सामने से तत्काल गंदगी और गोबर हटवाया जाए।

» सरकारी जमीन को इन दबंगों के अवैध कब्जे से मुक्त कराया जाए।

» विपक्षियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि पीड़ित परिवार की जान-माल की सुरक्षा हो सके।

अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन इन दबंगों पर क्या कार्रवाई करता है या पीड़ित परिवार इसी तरह खौफ के साये में जीने को मजबूर रहेगा।

मकर संक्रांति पर हनुमानगढ़ी मंदिर पर खिचड़ी सहभोज का आयोजन

सिद्धार्थनगर, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी सहभोज हनुमान गढ़ी मन्दिर तेतरी बाजार, नौगढ़ में प्रतिभाग किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन द्वारा मन्दिर में पूजा किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं में खिचड़ी का वितरण किया गया तथा सभी को शुभकामनाएं दिया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सिद्धार्थनगर अजय सिंह व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

मकर संक्रांति पर गौपूजन के साथ शिशु मंदिर को पुनः प्रारंभ करने पर विचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। विद्या भारती अवध प्रांत के तत्वावधान में गुरुवार को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रान्त निरीक्षक रामजी ने गौशाला पहुँचकर गौपूजन किया और क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की।प्रान्त निरीक्षक रामजी के साथ सीतापुर संभाग के निरीक्षक और साकेत संभाग के निरीक्षक अनिल ने गौशाला में गौमाता का पूजन किया। इसके पश्चात सभी पदाधिकारियों ने चिन्ताहरण हनुमानजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु यहाँ पूर्व में स्थापित शिशु मंदिर को पुनः आरंभ करना रहा। पदाधिकारियों ने विद्यालय के संचालन और इसकी रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की ताकि स्थानीय बच्चों को पुनः संस्कारयुक्त शिक्षा मिल सके।इस अवसर पर कस्बे के अनेक गणमान्य नागरिक और समाज सेवी उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यालय को दोबारा शुरू करने के प्रस्ताव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।विद्या भारती का लक्ष्य समाज के हर वर्ग तक संस्कारित शिक्षा पहुँचाना है। मलिहाबाद में शिशु मंदिर का पुनः संचालन इसी दिशा में एक सार्थक कदम होगा।

धूमधाम से मनाया गया सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की पत्नी सांसद डिंपल यादव का जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय नेता एवं मैनपुरी सांसद श्रीमती डिंपल यादव के जन्मदिन के अवसर पर बिसवां विधानसभा क्षेत्र के पूर्व सपा प्रत्याशी अफजाल कौसर द्वारा अपने कार्यालय परिसर में सादगी, सेवा और सामाजिक समर्पण के साथ जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केक काटकर डिंपल यादव का जन्मदिन मनाया गया और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के साथ-साथ समाजसेवा की भावना को साकार करते हुए जरूरतमंद महिलाओं को ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से गर्म शॉल एवं कंबलों का वितरण किया गया, जिससे महिलाओं के चेहरे पर खुशी और संतोष साफ नजर आया। इस अवसर पर अफजाल कौसर ने कहा कि डिंपल यादव का सार्वजनिक जीवन सादगी, संवेदनशीलता और जनसेवा का प्रतीक है। उन्होंने हमेशा समाज के वंचित, गरीब और कमजोर वर्गों की आवाज़ को मजबूती से उठाया है। उनके जन्मदिन पर सेवा कार्य करना ही सच्चे अर्थों में उन्हें शुभकामनाएं देने का सर्वोत्तम माध्यम है। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान वातावरण सौहार्दपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साह से भरा रहा। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सुनील यादव, युवजन सभा प्रदेश प्रमुख महासचिव रोबिन सिंह,

नगर अध्यक्ष लुकमान अली, व्यापार सभा के जिला उपाध्यक्ष संजय वर्मा, मुर्तजा अली अंसारी, डॉक्टर शाहिद, राममिलन यादव, कमलेश भार्गव, अनुज कनौजिया, अनिल यादव, रिंकल जोशी, हसीब अंसारी, इरफान अंसारी, आमिर खान, सलमान अली, करुणेश मिश्रा, रिजवान अहमद, राजू, मुजक्किर खान, अनिल मिश्रा, मुन्नीलाल, मुफीद अंसारी, मुफिज खान के अलावा सैकड़ो की तादाद में महिलाएं मौजूद रही।

मकर संक्रांति पर सावी वेलफेयर सोसायटी ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

● .....असुरन स्थित विष्णु मंदिर परिसर में सैकड़ों जरूरतमंदों को वितरित की गई खिचड़ी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए सावी वेलफेयर सोसायटी द्वारा असुरन स्थित विष्णु मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गरीबों और जरूरतमंदों को खिचड़ी प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक सहायता पहुंचाना और सेवा भाव को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान सावी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष गौरव सिंह, उपाध्यक्ष अमन चौधरी सहित संस्था के सक्रिय सदस्य अमृता चौधरी, अजितेश चौधरी एवं अनिक चौधरी मौजूद रहे। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि सावी वेलफेयर सोसायटी निरंतर समाज के जरूरतमंद वर्ग की सहायता के लिए कार्य कर रही है और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की सेवा करती रहेगी। आयोजन में स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिला और पूरे कार्यक्रम का माहौल भक्तिमय एवं सेवा भाव से ओतप्रोत रहा।

सोशल मीडिया ठगी की शिकार युवती को नहीं मिला न्याय, मामला पहुंचा उच्चाधिकारियों तक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। सोशल मीडिया के जरिए ठगी का शिकार हुई युवती को न्याय न मिलने पर अब मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंच गया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम चंदी खेड़ा निवासी सुभाषिनी रावत ने सहायक पुलिस आयुक्त मलिहाबाद को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता के अनुसार बीते 12 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात इंस्टाग्राम अकाउंट से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक कर्मचारी बताते हुए झांसे में लिया और अलग-अलग नंबरों से संपर्क कर ओटीपी हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उनके बैंक खाते से तीन बार में कुल 43 हजार रुपये निकाल लिए।

ठगी की जानकारी होने पर पीड़िता ने मलिहाबाद थाने में शिकायत की। आरोप है कि पुलिस ने मदद करने के बजाय मामले को टालते हुए थाने से भगा दिया और कहा कि पैसे भूल जाओ। पीड़िता का यह भी आरोप है कि पुलिस द्वारा न तो मुकदमा दर्ज किया गया और न ही किसी प्रकार की जांच की गई।

पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि ठगी के बाद वह लगातार न्याय के लिए भटक रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। थक हारकर उसने गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त से प्रार्थना की है कि उसके प्रार्थना पत्र पर संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कराई जाए। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना होगा कि उच्चाधिकारी इस प्रकरण में क्या कदम उठाते हैं। इस संबंध में एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चोरी की शिकायत पर भैंस व्यापारी को थर्ड डिग्री, प्रशासन मौन!

● एसपी तक की गई शिकायत दिख रही बेअसर

चौकी में इंसाफ नहीं,जुल्म का राज, थर्ड डिग्री पर प्रशासन की चुप्पी

भोजपुर चौकी की स्याह रात पुलिस चौकी में कानून की हत्या,गरीब व्यापारी पर पुलिसिया कहर

पुलिस की पिटाई,प्रशासन की खामोशी– किसके भरोसे आम आदमी?

... तो क्या रायबरेली में कानून सिर्फ कागजों में है?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली जनपद में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।सरेनी थाना क्षेत्र की भोजपुर पुलिस चौकी में भैंस व्यापारी के साथ हुई कथित बर्बरता और थर्ड डिग्री यातनाओं का मामला अब प्रशासनिक चुप्पी के चलते और भी संदिग्ध होता जा रहा है।हैरानी की बात यह है कि पीड़ित द्वारा पुलिस अधीक्षक से शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक न तो किसी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई हुई और न ही कोई आधिकारिक बयान सामने आया।पीड़ित पितम्बर पुत्र जमुना प्रसाद निवासी ग्राम सरैला,थाना हुसैनगंज,जनपद फतेहपुर ने आरोप लगाया है कि उसके घर से करीब 3 लाख 65 हजार रुपये की चोरी हुई थीजब वह न्याय की उम्मीद लेकर पुलिस चौकी पहुंचा,तो वही पुलिस उसके लिए काल बन गई।आरोप है कि 13 जनवरी की रात भोजपुर चौकी में उसे अवैध रूप से हिरासत में लेकर थर्ड डिग्री यातनाएं दी गई,बेरहमी से पीटा गया और खुले मैदान में छोड़कर फर्जी एनकाउंटर की धमकी दी गई।पीड़ित के शरीर पर पुलिसिया बर्बरता के स्पष्ट निशान मौजूद हैं।हालत इतनी खराब है कि वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा।सवाल यह है कि यदि आरोप झूठे हैं तो प्रशासन ने अब तक मेडिकल जांच,जांच समिति या निलंबन जैसी कोई कार्रवाई क्यों नहीं की ? क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि पुलिस के संरक्षण में अत्याचार हो रहे हैं और जिला प्रशासन आंख मूंदे बैठा है।बुधवार को पीड़ित जब डरा-सहमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और लिखित शिकायत दी,तब भी

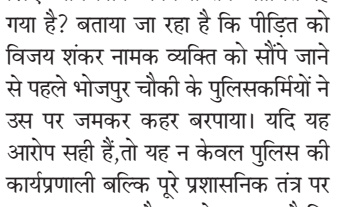

प्रशासन की ओर से कोई त्वरित संज्ञान नहीं लिया गया।इससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या गरीब और मेहनतकश लोगों के लिए न्याय सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है? बताया जा रहा है कि पीड़ित को विजय शंकर नामक व्यक्ति को सौंपे जाने से पहले भोजपुर चौकी के पुलिसकर्मियों ने उस पर जमकर कहर बरपाया। यदि यह आरोप सही हैं,तो यह न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र पर एक काला धब्बा है।अब देखना यह है कि रायबरेली प्रशासन इस गंभीर मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा। जनता की निगाहें टिकी हैं कि क्या कानून का राज बचेगा या वर्दी का आतंक यूं ही चलता रहेगा?

कस्बा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भव्य खिचड़ी भोज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। नगर के वार्ड नंबर चार स्थित शांतिनगर में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भव्य खिचड़ी भोज ने पूरे नगर का ध्यान आकर्षित किया। इस विशाल धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिर परिसर में भक्तों का सैलाब उमड़ा रहा और पूरा इलाका जय बजरंगबली के जयघोष से गूंजता रहा।

मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद खिचड़ी भोज का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान से सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन हर वर्ष परंपरागत रूप से किया जाता है, जिसमें बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों और वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। व्यवस्थाएं इतनी सुदृढ़ रहीं कि हजारों लोगों के आने के बावजूद कहीं भी अव्यवस्था नहीं देखने को मिली। इस भव्य आयोजन में नगर के कई प्रमुख एवं गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें निवर्तमान सभासद विजय धीमान, सभासद नूर उल हसन, धर्मेंद्र वर्मा सभासद सरदार जगजीत सिंह, राहुल कुमार, अमर बहादुर, प्रेमू धीमान, नीरज, तज्जमूल हसन, शत्रुहन धीमान, चौधरी, अमित सिंह, नाजिम अली, रिजवान डाक्टर तिवारी अंकुर जायसवाल सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी शामिल रहे। अतिथियों ने आयोजन की खुले दिल से सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल बताया।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला उजागर, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

मिल्कीपुर,अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील के बवा गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला गुरुवार को सामने आया। गांव निवासी देवनाथ ने इस संबंध में जिलाधिकारी से शिकायत की थी, लेकिन आरोप है कि आदेश के बाद भी अब तक अवैध कब्जा नहीं हटाया गया है। देवनाथ के अनुसार गांव की गाटा संख्या 1555, जो नवीन परती की भूमि के रूप में दर्ज है, पर एक ग्रामीण ने अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण करा लिया है। इस अवैध निर्माण के चलते शिकायतकर्ता का अपने चक तक जाने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है, जिससे उसे आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। देवनाथ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अवैध कब्जा नहीं हटाया गया तो वह मुख्यमंत्री दरबार में इसकी शिकायत करेंगे। मामले को लेकर ग्रामीणों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस पर कब तक कार्रवाई करता है।

सेवाभरती अवध प्रांत के तत्वाधान में खिचड़ी भोज व कम्बल वितरण का किया गया आयोजन

बिसवां/ सीतापुर सेवा भारती अवध प्रान्त के तत्वाधान मे मगरहिया बाजार श्री अभूषणम प्रतिष्ठान पर खिचड़ी भोज एवं कम्बल वितरण का आयोजन किया गया। आयोजक मोहित जायसवाल ने बताया कि गत वर्ष की भाति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी भोज एवं जरूरत मंद लोगो को ठंड से बचाने के लिए कम्बल का वितरण किया गया।

दो सौ परिवार के एक एक सदस्य को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बिसवां जिला प्रचारक सुरेंद्र, भास्कर जी, एवं के के सिंह जिला अध्यक्ष सेवा भरती के हाथो कम्बल वितरण हुआ। इस अवसर पर जय सिंह, विभाग संगठन मंत्री सेवा भारती, वरिंदर सिंह, लकी श्रीवास्तव, आशीष गुप्ता, शिवम् शीतांशु, अमित जायसवाल, पंकज भारती, संजीव मिश्रा, आशुतोष तिवारी आदि प्रमुख रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रिजवान अहमद के द्वारा किया गया जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रेउसा (सीतापुर) सेवता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सेल्हवा में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रिज़वान अहमद के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद राकेश राठौर उपस्थित रहे। श्री राठौर ने केंद्र व प्रदेश की सरकार पर हमला बोलते हुए उपस्थित जनसमूह को सत्ता परिवर्तन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश के विकास के लिए जातिगत जनगणना अति आवश्यक है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे डॉक्टर बृज बिहारी जी ने कहा कि जब तक युवाओं के हाथ में रोजगार नहीं होगा तब तक विकास की बात बेमानी है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉक्टर आर. पी. वर्मा ने सरकार की विफलताओं को बताया। अनुप्रिया वर्मा ने महिलाओं से राजनीति में सक्रिय होने की बात कही। कार्यक्रम आयोजक सांसद प्रतिनिधि रिज़वान अहमद ने कहा कि आज व्यापारी, छात्र, नौजवान, किसान सभी परेशान हैं। सरकार के पास ऐसी कोई ठोस नीति नहीं है जो नौजवानों, किसानों, महिलाओं के सुनहरे भविष्य की उम्मीद जगाती हो।

इस जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्य रूप से राकेश कठेरिया, उमेश यादव, स्वालेह खान, शिवा शुक्ला, राजेंद्र गौतम, तमशील खान, कुद्दूस खान, रामचंद्र यादव, विकास यादव, सुरेश रावत, आसिफ़ मंसूरी, शहाबुद्दीन, मुशीर सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रधान प्रतिनिधि व हल्का लेखपाल की मिलीभगत से पैतृक जमीन पर जबरन रास्ता बनवाने का आरोप

● प्रशासनिक उदासीनता का खामियाजा भुगत रहा किसान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्षेत्र के पूरे गयाबक्स का पुरवा मजरे पोखरनी गांव में चल रहे रास्ते के विवाद में तहसील के चर्चित हल्का लेखपाल अमित शुक्ला प्रधान प्रतिनिधि बब्लू शुक्ला के साथ मौके पर पैमाइश करने पहुंचे और जैसे ही गलत पैमाइश करने लगे वैसे ही शिकायतकर्ता सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया अंततः हल्का लेखपाल को बैरंग वापस लौटना पड़ा। काफी दिनों से क्षेत्र में इस गांव का जमीनी विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि पीड़ित किसान द्वारा कई बार शिकायत के बावजूद तहसील के मुखिया उप जिलाधिकारी गौतम सिंह व तहसीलदार मंजुला मिश्रा द्वारा कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया और ना ही राजस्व टीम गठित की गई। जिससे किसान दर दर की ठोकरे खा रहा है। प्रधान प्रतिनिधि व हल्का लेखपाल का गठजोड़ सरकारी तंत्र पर हावी है । यदि राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से न लिया तो दूरगामी परिणाम भुगतने पड़ सकते है।

महराजगंज रायबरेली– क्षेत्र के पूरे गयाबक्स मजरे, पोखरनी गांव में चकरोड बनाने के लिए पैमाइश करने पहुंचे हल्का लेखपाल अमित शुक्ला को पीड़ित किसान के पक्ष में दर्जनों ग्रामीण खड़े हो गए। पीड़ित किसान कमल किशोर मौर्या की पुश्तैनी जमीन पर रास्ता बनवाये जाने से दर्जनों ग्रामीणों ने पैमाइश का विरोध शुरू किया तो लेखपाल अमित शुक्ला को बैरंग वापस लौटना पड़ा। रास्ते का निर्माण करवाए जाने वाली भूमि किसान कमल किशोर मौर्या की पुश्तैनी व निजी मिल्कियत है। किसान का आरोप है कि उसकी भूमि की सीमा नक्शे पर सौ मीटर है उसके बाद चकरोड का रास्ता है। लेखपाल व प्रधान प्रतिनिधि बब्लू शुक्ला ने सांठगांठ कर उसकी भूमि की 98 मीटर छोड़कर रास्ते का निर्माण करना चाहते हैं। इस लिए वह रास्ता बनवाये जाने के विरोध में हैं। आरोप यह भी है कि उसके विरोध करने से लेखपाल अमित शुक्ला व बब्लू शुक्ला द्वारा उसे आए दिन प्रताड़ित किया जाने लगा और स्थानीय स्तर पर दबाव बनाकर उसकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। किसान कमल किशोर मौर्य ने बताया कि इस मामले की शिकायत वह कई बार तहसील प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से कर चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित किसान का यह भी कहना है कि उच्चाधिकारियों की उदासीनता के कारण उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। जिससे उसे मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। किसान कमल किशोर का कहना है कि शासन द्वारा इस मामले का निष्पक्ष निस्तारण नहीं किया गया, तो वह मुख्यमंत्री की चौखट पर न्याय की गुहार लगाएगा। मामले में हल्का लेखपाल अमित शुक्ला का कहना है कि किसान के गाटे का क्षेत्रफल पूरा है उसके रकबे को छोड़कर रास्ता निर्माण की पैमाइश की गई है। लेकिन वह मानने को तैयार नहीं। उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। राजस्व टीम गठित करके प्रकरण की वास्तविक पैमाइश कराकर रास्ते का निर्माण कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

प्रगति मैदान दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में 'सर्वोदय साझा संग्रह' पुस्तक का हुआ विमोचन

हमीरपुर की संस्था सर्वोदय साहित्य सेवा संस्थान ने जाहिर की खुशी

हमीरपुरः- मकरसंक्रांति के अवसर पर राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में लेखक मंच के भव्य कार्यक्रम में हमीरपुर की संस्था सर्वोदय साहित्य सेवा संस्थान हमीरपुर की पुस्तक सर्वोदय साझा संग्रह का लोकार्पण किया गया यह कार्यक्रम सर्वोदय साहित्य संस्थान हमीरपुर के प्रबंधक कमल किशोर 'कमल 'की मौजूदगी में भारत और विश्व के जाने माने साहित्यकार गरिमामयी उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए।उक्त पुस्तक का प्रकाशन दिल्ली के स्वतंत्र प्रकाशन ने किया।प्रकाशक सुशील स्वतंत्र ने पुस्तक के सफल संपादन के लिए प्रबंधक कमल किशोर सहित साझा संग्रह में शामिल सभी रचनाकारों को हार्दिक बधाई प्रेषित की। सर्वोदय साझा संग्रह के सफल लोकार्पण की सूचना पाकर संस्था के अध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी, कोषाध्यक्ष पंकज अनुराग, उपाध्यक्ष कंचन गुप्ता एवं रणविजय चक्रवर्ती, संरक्षक देवीदीन अविनाशी, सदस्य देवनारायण सोनी, संदीप कुमार, रामराज एवं उप प्रबंधक देशराज रचनाकार सहित जनपद वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। यह पुस्तक शिक्षक एवं कवि कमल किशोर के संपादकत्व में संस्था द्वारा प्रकाशित पहली पुस्तक है।

अरतरा गांव में खुली पुलिस चौकी, पांच गांव हो सकते हैं शामिल

हमीरपुरः- मौदहा क्षेत्र की बडी आबादी वाले गांव अरतरा और पढोरी चौकी तथा मौदहा कोतवाली से काफी दूर बसे तिलसरस गांव के लिए अरतरा चौकी खुल जाने से पुलिस की पहुंच आसान हो जाएगी और लोगों को त्वरित पुलिस सहायता मिल सकेगी जिसके चलते अरतरा गांव में पुलिस चौकी का उद्घाटन किया गया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अरतरा में खुली नयी पुलिस चौकी का ग्राम प्रधान महेश्वरीदीन प्रजापति ने फीता काटकर उद्घाटन किया जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के बडी आबादी वाला गांव अरतरा और सुदूरवर्ती बसे तिलसरस, परछछ, चिल्ला डेरा में पुलिस को पहुंचने में काफी समय लगता था खासकर बारिश के दिनों में अरतरा अण्डर पास में पानी भर जाने के कारण जहां कोतवाली पुलिस को पहुंचने में मुश्किल होती थी तो वहीं नदी में पानी होने के कारण पढोरी चौकी से पुलिस को पहुंचना भी आसान नहीं था। जिससे लोगों को त्वरित पुलिस सहायता नहीं मिल पा रही थी उसी समस्या के समाधान के लिए पुलिस विभाग ने अरतरा में पुलिस चौकी खोलने का निर्णय किया जिसका मकर संक्रांति के दिन ग्राम प्रधान महेश्वरीदीन प्रजापति ने फीता काटकर उद्घाटन किया। और धार्मिक अनुष्ठान के बाद चौकी में उपस्थित सभी को प्रसाद और खिचड़ी वितरण की गई जबकि मनोज मिश्र को नयी पुलिस चौकी का पहला चौकी प्रभारी बनाया गया। इस दौरान कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह,जीशान अली, सहित पुलिस स्टाफ और ग्रामीण मौजूद रहे।

32 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत, घर में लटका मिला शव

उरई(जालौन)- आटा थाना क्षेत्र के करमेर गांव में बुधवार को 32 वर्षीय युवक का शव उसके ही घर में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान मंजीत अहिरवार पुत्र स्व. हरिश्चंद्र अहिरवार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। जानकारी के मुताबिक, मंजीत अहिरवार गांव स्थित अपने पैतृक मकान में अकेला रहता था जबकि उनकी पत्नी प्रियंका उरई में निवास करती हैं। बुधवार दोपहर खेत से लौटे चाचा प्रेमचंद्र ने जब कमरे का दरवाजा खोला तो पंखे के कुंदे से रस्सी के सहारे मंजीत का शव लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची आटा थाना पुलिस ने प्रारंभिक जांच की। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया जिसने कमरे की बारीकी से जांच कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या का मामला है या किसी अन्य कारण से मौत हुई है। आटा थाना पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। साथ ही, मृतक की पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है ताकि मामले से जुड़े सभी पहलुओं पर सच्चाई सामने आ सके।

ग्राम पंचायत करकटी में भ्रष्टाचार जम कर

● नाली निर्माण कार्य में लोकल सरिया और घटिया क्वालिटी का सृमेंट हो रहा इस्तेमाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल। जिले के करकटी पंचायत में नाली निर्माण कार्य हो रहा हैं जिसकी कीमत 3 लाख 79 हजार रुपये हैं जिसकी कुल लंबाई 120 मीटर के आसपास बताई गई हैं। जहाँ एक ओर ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार का प्रतिदिन कोई न कोई ग्रामीण के द्वारा बार बार विरोध करने के बाद भी कार्यवाही नहीं हैं जिससे भ्रष्टाचार करने वाले कि मनोबल बढ़ाने लगता हैं और वही मनोबल एक दिन किसी बड़े भ्रष्टाचार का एक हिस्सा बन जाता हैं।

नाली निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टाचार का हिस्सा बना हुआ हैं। आपको बता दें कि इस निर्माण कार्य में जो नाली निर्माण कार्य एस्टीमेट में दिखाया गया है उस प्रकार से नाली का निर्माण न करवाकर अपने मनमाने तरीके से करवाया जा रहा है, जिससे कि कम लागत में नाली का निर्माण किया जा सके और मैच कुछ ही महीना में नाली ढह जाने की स्थिति भी बनी रहेगी। जिससे यह साफ वक्त कहता है कि जिले में बैठे अधिकारी और निर्माण कार्य करवा रहे ग्राम पंचायत की संयुक्त मिली भगत से इस भ्रष्टाचार को एक अंजाम तक पहुँचाने की प्रयन्त किया जा रहा हैं।

अधिकारियों की साठ गाठ से पंचायत सचिव की बल्ले बल्ले

ग्राम पंचायत में हो रहे इस निर्माण कार्य की बात करें तो इस निर्माण कार्य मे सचिव को कुछ जानकारी ही नहीं आपको बता दे कि नाली की निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टाचार हो रहा हैं लेकिन लाख विरोध के बाद भी पंचायत अपने रवैये से बाज नहीं आ रहा।

ग्राम पंचायत को पता ही नहीं कि एस्टीमेट में क्या मटेरियल दिखाया गया

प्राप्त सूचना के आधार में नाली में लग रहे मटेरियल और इस्टीमेट की जानकारी ग्राम पंचायत को पता ही नहीं की कहां पर क्या मटेरियल लगाना है और कितना लगाना है , ये ग्राम पंचायत को पता ही नहीं , आपको बता दे कि महज 120 मीटर की नाली एक सांप सीढ़ी की डिजाइन दिया गया और बात करें मटेरियल की तो लोकल सरिया लगाया जा रहा जिसकी कितने फिट में लगाना हैं और कितना लगाना हैं भगवान भरोसे चल रहा हैं। इनका कहना हैं- जब इस संबंध में बात किया गया तो इनका कहना था कि ये जो काम हो रहा हैं इसके बारे में उपयंत्री को ही ज्यादा पता हैं मेरे को कुछ खास नहीं पता फिर भी मैं दिखवाता हुँ। एसडीओ शुभम शर्मा

पुरानी रंजिश में युवक को शराब पिलाकर की हत्या

हमीरपुरः- बीते बुधवार रात सुमेरपुर कस्बा के बांकी मार्ग में शराब पीने के बाद युवकों के मध्य हुए विवाद के बाद युवक की हत्या किए जाने पर युवक के पिता ने पुरानी रंजिश में चार लोगों के खिलाफ हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया है। बुधवार की बीती रात करीब 9:30 बजे बांकी मार्ग में पानी टंकी के सामने वार्ड संख्या 18 के निवासी सुमित यादव 24 पुत्र राजबहादुर यादव की शराब पिलाने के बाद लोहे की राड से प्रहार करके हत्या कर दी गई थी। मृतक के पिता राजबहादुर ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उसके पुत्र से पड़ोसी संतोष साहू रंजिश रखता था। इसी ने महेंद्र गुप्ता, विष्णु प्रसाद, भोला निषाद के साथ मिलकर पुत्र की हत्या की है। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है बाकी की तलाश कराई जा रही है। उधर गुरुवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया। शाम को उसका कस्बे के मोक्ष धाम में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक अपने पीछे माता-पिता भाई बहन को रोता बिलखता छोड़ गया है। मृतक दो भाइयों में छोटा था और ट्रक चलाकर परिवार के भरण पोषण में सहयोग करता था।

बकहो वार्ड क्र.5 के आवास योजना की गड़बड़ी को कमिष्नर कलेक्टर ने संज्ञान में लिया

● जिला पंचायत सी.ई.ओ.एस.डी.एम. राजस्व ने शीघ्र आवास हटाने की पहल की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी की रिपोर्ट

शहडोल- बुढ़ार- म.प्र. में इन दिनों अजय गजब का मौहाल जहां सुनने को मिलता था, वहीं प्रदेष के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के द्वारा आवास योजना में पारीदर्षिता के साथ कार्य करने के लिए प्रषासन के देखरेख में आवास योजना के मकान बनते हैं, लेकिन बकहो नगर परिषद अंतर्गत वार्ड क्र.5 टिकुरी टोला, में कई ऐसे आवास निर्मित हो चुके है या निर्माणाधीन है जिसकी देख रेख नगर परिषद व राजस्व दोनों न कर गलत ढंग से नियम विरूद्ध आवास योजना में सहयोग करने जैसी बातो को लेकर संभागीय कमिष्नर व जिला कलेक्टर से पट्टेधारक ने लिखित षिकायत कर शीध्र गलत पट्टे में निर्मित आवास योजना को शीघ्र बेदखल कर कार्यवाही की मांग की गई है, गलत ढ़ंग से दूसरे की जमीन पर बने आवास को शीघ्र हटाने एवं आवास योजना में लिप्त गढ़बड़ी करने वालों के ऊपर कार्यवाही करने के लिए जिला पंचायत सी.ई.ओ. एवं एस.डी.एम. सोहागपुर ने सख्ती दिखायी है। जिससे नगर परिषद व राजस्व की नींद हराम हो चुकी हैं दूसरे के पट्टे में आवास बनाने वाले लोगां ने नगर परिषद व आवास की मंजूरी देने वाले अधिकारियों को गलत खसरा व जानकारी देकर धोखाधड़ी करने का साहस किया है, जिस पर शीघ्र पुलिस प्रकरण कायम कर कार्यवाही होगी।

इस संबंध में नगर परिषद बकहो एवं राजस्व से जानकारी लेने पर यह स्पष्ट हुआ कि जिन लोगों ने वार्ड क्र.5 में आवास योजना के तहत मकान निर्मित कर रहे उनमें रोहणी कोल, रानी कोल, सकुन कोल, संध्या कोल, प्रेमलाल कोल, सुबेलाल कोल, संतोष कोल, का नाम प्रमुखता से आने पर शीघ्र आवास के मकानों को रद्द कर पट्टेधारक की जमीन को सुरक्षित देकर आवास योजना की गड़बड़ी करने वालों के ऊपर प्रषासन द्वारा शीघ्र कार्यवाही की बात सामने आ चुकी है।

पटेल नगर विधायक प्रवेश रत्न ने प्रेम नगर में बढाया विकास कार्य की रफ़्तार बर्षो से टूटीं सड़क सीवर से लोग थे परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

पटेल नगर विधानसभा के प्रेम नगर गली नंबर 21 में विकास कार्यों की रफ्तार तेज हो गई है। पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र के आम आदमी पार्टी के विधायक प्रवेश रत्न व निगम पार्षद कविता चौहान, और स्थानीय निवासी के साथ मिलकर ड्रेनेज और सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन नारियल तोड़ कर किया। इस अवसर पर काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे और विधायक प्रवेश रतन को पार्षद कविता चौहान को फूल मालाओं से स्वागत किया।और इस विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधि को धन्यवाद देते हुए हर्ष व्यक्त किया।इस मौके पर विधायक ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और समाधान करने का भरोसा दिया। कहा कि अब प्रेम नगर वार्ड में काम पहले होगा, ब्यान बाद में। वहीं निगम पार्षद कविता चौहान ने कहा की जनता की बुनियादी समस्याओं का स्थाई समाधान सुनिश्चित करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है, क्षेत्र के विकास से जुड़े ऐसे कार्य निरंतर आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर काफी संख्या में स्थानीय निवासी व संबंधित विभागीय अधिकारी शामिल थे।

बाल्मीकि कल्याण महासभा ने मनाया स्थापना दिवस

कोंच(जालौन): भारतीय बाल्मीकि कल्याण महासभा का 9वां स्थापना दिवस गुरुवार को स्थानीय सरोजनी नायडू पार्क में मनाया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष दीपू पेंटर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सर्वप्रथम बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर व महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित किये, तदुपरांत केक काटकर महासभा का स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान वक्ताओं ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने व बच्चों को हर परिस्थिति में अच्छी शिक्षा दिलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष नरेंद्र आगवान, राजू बग्गन, अमर सिंह, नगर अध्यक्ष रामबाबू नाहर, भीमू मिहोलिया, नीरज बाल्मीकि, शिवा नाहर, विशाल करौसिया, नरेश नरया, कपिल, आशीष बाल्मीकि, अवध किशोर, बुद्धसिंह, अजय आगवान, नैतिक आदि मौजूद रहे।

एकतरफा मुकाबले में हुई नागपुर की जीत, कोरिया हुई प्रतियोगिता से बाहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल बुढार। नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला क्वार्टर फाइनल नागपुर और डीसीए कोरिया के बीच खेला गया, मैच में नागपुर की टीम ने कोरिया की टीम को हर मामले में पछाड़ते हुए शानदार जीत हासिल की।

टॉस जीतकर नागपुर ने चुनी बल्लेबाजी

मैच का टॉस नागपुर ने जीता, पिच का मिजाज भांपते हुए नागपुर के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, पगले बल्लेबाजी करते हुए नागपुर की टीम ने निर्धारित बीस ओवरों में छह विकटों के नुकसान पर 195 रन बनाए, नागपुर की तरफ से सलामी बल्लेबाज आकिब खान ने 51 रन,हिमांशु ने 48 एवं राठी ने 37 रनों का योगदान दिया , कोरिया की ओर से गेंदबाज राज ने 2 विकेट लिए।

नागपुर की गेंदबाजी के सामने ढेर हुई कोरिया

184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोरिया की टीम को नागपुर के गेंदबाजों ने जमकर परेशान किया और कोरिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को 15 रनों के भीतर ही पवेलियन की राह दिखा दी , शुरुआती झटकों से कोरिया की टीम पूरे मैच के दौरान नहीं उबर पाई और 16 वें ओवर में ही 100 रनों पर आल आउट हो गई , कोरिया की ओर से बल्लेबाज राज ने ही कुछ देर तक संघर्ष किया और अपनी टीम के लिए 30 रन बनाए , नागपुर की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए कुणाल ने 3 और आर्य तथा अथर्व ने 2-2 विकेट लिए इस तरह इस मुकाबले को नागपुर की टीम ने 95 रनों ने जीत लिया नागपुर टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले कुणाल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जिन्हें चाट दी हट्टी कैफे के प्रोपराइटर संदीप आहूजा ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक टूर्नामेंट में आज कोरिया टीम के प्रायोजक जिला पंचायत शहडोल के सभापति जगन्नाथ शर्मा रहे जबकि नागपुर टीम के प्रायोजक दीपक मांझी (लालू) एवं पवन चीनी रहे।

मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की, जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला। पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला।

पत्नी की प्रताड़ना से परेशान पति ने लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- एक पति ने अपनी पत्नी पर अवैध धन की मांग, झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी, मानसिक प्रताड़ना और अवैध संबंधों का आरोप लगाया है। पति ने पुलिस से शिकायत कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ ही अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।

राहुल पटेल निवासी ग्राम पचीपुरा कलां थाना कोंच ने एसपी ऑफिस में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका विवाह वर्ष 2023 में मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुआ था। विवाह का उसी वर्ष उप-निबंधक कार्यालय में पंजीकरण भी कराया था। राहुल के अनुसार, विवाह के एक-दो माह बाद ही पत्नी का व्यवहार उसके प्रति बदल गया। वह लगातार झगड़ा करने लगी और उससे अवैध रूप से धन की मांग करने लगी। राहुल का आरोप है कि धन न देने पर पत्नी ने उसे झूठे एससीएसटी एक्ट और दहेज उत्पीड़न के मामलों में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। राहुल ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी का एक युवक के साथ अवैध संबंध है। राहुल का कहना है कि उसकी पत्नी कई-कई सप्ताह तक घर से गायब रहकर उसी के साथ रहा करती थी। राहुल के अनुसार, अक्टूबर 2023 में पत्नी ने उससे दस लाख रुपये की मांग की और घर का कीमती सामान व जेवरात लेकर अपने उस प्रेमी युवक के साथ घर छोड़ कर चली गई थी। ऐसे हालातों में विवश होकर उसने न्यायालय में तलाक का वाद दायर कर दिया था। जिसको लेकर पत्नी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई और फिर मामला परिवार परामर्श केंद्र के पास पहुंच गया था। राहुल का कहना है कि परामर्श केंद्र में समझौते के प्रयासों के बावजूद उसकी पत्नी का व्यवहार नहीं बदला और जनवरी 2024 में एक बार फिर धन की मांग को

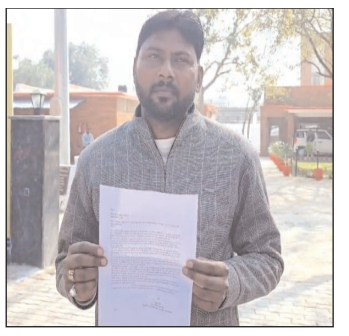

लेकर विवाद पत्नी ने विवाद किया। पति राहुल ने अपनी शिकायत में पत्नी पर ब्लैकमेलिंग, जान से मारने की धमकी देने और अराजक तत्वों से उसकी पिटाई करवाने की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। राहुल ने पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, झूठी कानूनी कार्यवाही से बचाने और उसके तथा उसके परिवार की जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

कन्नौज के विकास ने कलाजंग मार बाराबंकी के सुरेश को किया चारों खाने चित्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- मुस्करा विकासखण्ड क्षेत्र के महेरा गांव में बृहस्पतिवार के दिन पुरानी बस्ती की पानी टंकी के पास एकदिवसीय दंगल का आयोजन हुआ।दंगल में क्षेत्र-आसपास के नामी गिरामी पहलवान हुए शामिल हुए।दंगल का शुभारंभ पीएनवी कॉलेज के प्रबंधक अजयपाल राजपूत ने पहलवानों के हांथ मिलवाकर किया। पहली कुश्ती बांदा के अंकित पहलवान और लोधामऊ के संगम के बीच हुई ,जिसमें संगम पहलवान ने बाजी मारी।धौहल के अमर सिंह और बरेली के बादल के बीच हुई कुश्ती बराबरी पर छूटी। वहीं बाराबंकी से आए पहलवान सुरेश और कन्नौज से आए पहलवान विकास के बीच कांटे का मुकाबला हुआ, जिसमें सुरेश ने आखिरी क्षणों में बाराबंकी के सुरेश को कलाजंग मारकर चारों खाने चित्त कर दिया।उसके बाद धौहल के नीरज और गोरखपुर के संजय के बीच हुआ मुकाबला बराबरी पर छूटा। गोरखपुर से आए पहलवान संजय व नीरज पहलवान धौहल के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। इनके अलावा भी हुई लगभग एक दर्जन कुश्तियों ने दर्शकों का खोइब मनोरंजन कराया।दंगल का समापन राठ विधायक मनीषा अनुरागी ने पहलवानों की पुरुष्कार देकर किया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि भरत अनुरागी, मुस्करा जिला पंचायत सदस्य करन दद्दू, मंडल अध्यक्ष शक्ति चौरसिया मौजूद रहे हैं ,पुष्पेंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

नगर कांग्रेस कमेटी ने किया खिचड़ी भंडारे का आयोजन

टूण्डला- नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा मैन बाजार टूण्डला बलदेव रोड पर मकरसंक्रांति के उपलक्ष में खिचड़ी के भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष जमील अब्बास व महासचिव कन्हैया शर्मा ने नगर वासियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने इस दौरान कहा कि मकर संक्रांति त्याग सेवा और एकता का पर्व है। इसी भावना के तहत जरूरतमंदों और राहगीरों को खिचड़ी वितरित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। स्थानीय नागरिकों ने कांग्रेस नगर इकाई की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और जरूरतमंदों को सहयोग मिलता है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष जमील अब्बास नगर, महासचिव कन्हैया शर्मा, कोषाध्यक्ष फिरोज खान, नगर उपाध्यक्ष नवीन भारद्वाज, नगर मंत्री शानू भाई आदि लोग मौजूद रहे।

हमारी संस्कृति, हमारी पहचान थीम में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिलाधिकारी ने विजेताओं को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- संस्कृति विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश द्वारा हमारी संस्कृति हमारी पहचान थीम पर राजकीय महिला महाविद्यालय सभागार में गुरुवार के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रुचि रखने वाले कलाकारों की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में तहसील हमीरपुर, राठ, मौदहा, सरीला के कलाकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया,एकल गायन, समूह गायन,एकल लोकगायन, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने सभी विजेताओं को पुरूस्कृत किया। विजेताओं में तहसील हमीरपुर में सुगम संगीत एकल में , पूर्वी तिवारी प्रथम स्थान पर , श्रेया सोनकर द्वितीय स्थान पर, निर्मल बौद्ध तृतीय स्थान पर रहे। तहसील राठ में लोकगायन एकल में, खूबचन्द्र प्रथम पर, सरस्वती द्वितीय स्थान पर , प्राची तृतीय स्थान पर रही। तहसील राठ में शास्त्रीय वादन एकल में, अंश सोनी प्रथम स्थान पर , हर्ष पांचाल द्वितीय स्थान पर , ऋषिराज राजपूत तृतीय स्थान पर रहे।

तहसील मौदहा में लोकगायन एकल में, हर्षिता प्रथम स्थान पर, शानू निषाद द्वितीय स्थान पर, रामा देवी तृतीय स्थान पर रही। तहसील मौदहा में सुगम संगीत एकल में, स्तुति प्रथम स्थान पर, लक्ष्मी द्वितीय स्थान पर, ऋषभ शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। तहसील मौदहा में लोकनृत्य समूह में, अनामिका, आर्या ग्रुप प्रथम स्थान पर, अवनी गुप्ता ग्रुप द्वितीय स्थान पर, श्रेया तृतीय स्थान पर रही। जनपद हमीरपुर में लोकगायन एकल में, हर्षिता प्रथम स्थान पर, खूबचन्द्र द्वितीय स्थान पर, सरस्वती तृतीय स्थान पर रही। जनपद हमीरपुर में, सुगम संगीत एकल में, स्तुति प्रथम स्थान पर, पूर्वी तिवारी द्वितीय स्थान पर, श्रेया सोनकर तृतीय स्थान पर रही।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बुंदेलखंड की लोकसंस्कृति का झलक संस्कृति उत्सव में देखने को मिली है, ऐसे आयोजन से नवीन पीढ़ी को अवसर मिलता है। पर्यटन सूचना अधिकारी डा चित्रगुप्त ने किया सभी का आभार व्यक्त किया।उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को दिनांक 17-19 जनवरी को मण्डल पर आयोजित मण्डलीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

पुलिस ने पीएसी बल के साथ नगर की सड़कों पर किया पैदल मार्च

कोंच(जालौन): गोकशी की घटना के बाद नगर में बने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए बुधवार देर शाम कोतवाली पुलिस ने पीएसी बल के साथ नगर की सड़कों पर पैदल मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने आमजन से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा बुजुर्ग में गोकशी की घटना सामने आई थी, जिसके बाद एक समुदाय में रोष और भीतर ही भीतर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बुधवार शाम क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस एवं पीएसी बल ने नगर के मिश्रित आवादी वाले क्षेत्र व प्रमुख मार्गों तथा बाजार क्षेत्रों में पैदल मार्च किया। पैदल मार्च के दौरान सीओ ने आम नागरिकों, व्यापारियों और दुकानदारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और आश्वस्त किया कि नगर व क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह सहित कोतवाली पुलिस के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर जगह-जगह हुआ खिचड़ी भण्डारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- आज मकर संक्रांति के मौके पर जनपद में सामाजिक संस्थाओं द्वारा जगह-जगह स्टॉल लगाकर लोगों को खिचड़ी वितरित की गई। खिचड़ी खाकर लोगों ने आयोजकों की जमकर सराहना की। मकर संक्रांति का पर्व राठ नगर की तहसील परिसर में एसडीएम अभिमन्यु कुमार व सीओ राजीव प्रताप सिंह ने,उ0प्र0 उद्योग व्यापार मंडल राठ द्वारा उत्सव पैलेस में चोपड़ा मंदिर में जिलाध्यक्ष के0जी0 अग्रवाल के नेत्रत्व में नगर अध्यक्ष काशी प्रसाद गुप्ता, महामन्त्री रहमत वेग, प्रमोद बजाज, रामगोपाल गुप्ता, सुरेश खेवारिया, भोले चाचा, अयूब भाई, सप्पू भाई, सईद अंसारी, नौसे खा, राजेंद्र गुप्ता, शिवशरण सोनी, उमाशंकर गुप्ता, राजेश अग्रवाल, मनोज सोनी, धनंजय सोनी, अशोक गुप्ता, मनोज आनंद, अमरजीत अरोरा, सेठ कैलाश चंद अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, साहित सैकड़ों व्यापारियों ने, नगर के पड़ाव चौराहा में गोविंद स्वीट के संचालक संतोष कुमार के साथ क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत,विधायक प्रतिनिधि भरत अनुरागी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, पुष्पेंद्र सिंह ठाकुर व परमानंद अनुरागी ने, नगर के रामलीला मैदान में विश्व हिंदू परिषद के जिला सहसंयोजक सचिन शर्मा के नेतृत्व में तथा समाज वादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के नि0जिलाध्यक्ष दानिस खान के नेत्रत्व में सपाइयों ने राहगीरों को खिचड़ी वितरित की। वहीं मौदहा कस्बा और आसपास के गांवों में गुरुवार को मकरसंक्रांति के मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने नदियों, तालाबों में स्नान के बाद खिचड़ी सहित अन्य वस्तुओं का दान किया वहीं इस मौके पर जगह-जगह पर खिचड़ी भोज आयोजित किया गया है।

बताते चलें कि मौदहा कस्बा सहित आसपास के गांवों में मकरसंक्रांति का त्यौहार 14 और 15 जनवरी को मनाया गया है। हालांकि अधिकांश लोगों ने यह त्यौहार 15 जनवरी गुरुवार को मनाया है। जिसमें लोगों ने अपने आसपास की नदियों, पोखरों और तालाबों में डुबकी लगाई गई। इसके साथ ही सुबह से ही मंदिरों में पूजा अर्चना और खिचड़ी सहित अन्य वस्तुओं के दान का सिलसिला दिन भर जारी रहा है। मकरसंक्रांति पर कस्बा के बड़ा चौराहा स्थित अनुरागी मार्केट,चर्च कंपाउंड शांति नगर स्थित पीपलेश्वर मंदिर, बड़ी देवी मंदिर,छोटी देवी मंदिर,सिजनौडा बजरंग आश्रम सहित अन्य दर्जनों स्थानों पर आयोजित किए गए खिचड़ी भोज में लोगों का उत्साह देखने को मिला है।